(ख) क्या चीनी मिलों में आर्थिक तंगी के कारण किसानों को गन्ने की कीमत नहीं मिली थी और इस वर्ष तक उन्हें उनको बकाया राशि प्राप्त नहीं हुई थी?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव): (क) और (ख) वर्ष 1994-95 के चीनी मौसम के दौरान चीनी का उत्पादन 146.43 लाख टन था जो कि इस मौसम में अब तक का एक रिकार्ड उत्पादन था।

देश में चीनी मिलों द्वारा की गई उपलब्ध सूचना के अनुसार खरीदे गये गन्ने की मात्रा और वर्ष 1994-95 के मौसम के लिए गन्ना मूल्य बकाया निम्नवत थे:—

15.11.95 को

मौसम	खरीदे गये गन्ने की मात्रा (लाख मिलटन में)	गन्ना मूल्य बकाया (करोड़ रु० में)	देय मूल्य का बकाया की प्रतिशतता
1994-95	1375189	129.32	1.5

उक्त बकाया दिनांक 30.6.96 तक 22.80 करोड़ रु० हो गया जो वर्ष 1994-95 मौसम के दौरान खरीदे गए गन्ने के लिये कुल देय मूल्य के 0.26 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है।

Revival Scheme regarding Tyre Corporation of India Ltd.

3362. SHRI MD. SALIM:
SHRI NILOTPAL BASU:
SHRI JIBON ROY:
SHRIMATI CHANDRA KALA PANDEY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Board of Industrial and Financial Reconstruction in the hearing dated the 20th December, 19V5 regarding Tyre Corporation of India Limited (TCIL) had observed that any further delay in the sanction of the revival scheme would add further losses to the Company of rupees two crores per month.

(b) whether in view of the above B.I.F.R. had sanctioned the revival scheme on the 15th February. 1996;

(c) whether the sanctioned scheme was to come into force with immediate effect; and

(d) if so. the reason for the delay in implementing the scheme alongwith the financial implications of the delav?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) to (c) Yes. Sir.

(d) The Board of industrial and Financial Reconstruction (BIFR) sanctioned the revival scheme assuming the consent of Govt, of India (GOI) based on its comments on the draft revival scheme circulated in December. 1994. which was different in many respects from the Scheme which was eventually sanctioned. Considerable assistance from GOI by way of fresh cash infusion and restructuring of past liabilities has been envisaged. The matter is being processed for taking a final view.

रुग्ण लघु उद्योगों को ऋण की माफी

3363. श्री रामजीलाल: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार जम्मू और कश्मीर की भांति देश में रुग्ण लघु उद्योगों के ऋण और ब्याज माफ कर देगी;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और

(ग) सरकार रुग्ण लघु उद्योगों की स्थिति में सुधार लाने के लिए क्या कदम उठा रही है?

उद्योग मंत्री (श्री मुरासोली मारन): (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रखी दी जाएगी।

(ग) जयक समिति की सिफारिशों के आधार पर रुग्ण लघु इकाईयों को संशोधित परिभाषा के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पुर्नस्थापना के लिए ब्याज की दर घटाने, तुरन्त जीव्यवहार्यता संबंधी अध्ययन करने, निर्दिष्ट रुग्ण इकाईयों के उपचार संबंधी कार्यक्रम चलाने, महत्वपूर्ण क्षेत्रीय केन्द्रों में प्रकोष्ठों की स्थापना करने और प्रधान कार्यालय में रुग्ण इकाईयों पर विचार